हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

एमफिल/पीएचडी का पुनरीक्षित कार्स वर्क

प्रथम–पत्र–HIN 101 क्रेडिट–10

अवधि–3घंटा

अनुसंधान पद्धति एवं तुलनात्मक साहित्य

(दोनों खंडों में से कम से कम एक प्रश्न अनिवार्य होंगे।)

खंड–अ अनुसंधान का स्वरूप और आलोचना प्रविधि एवं दृष्टिः ऐतिहासिक अनुसंधान प्रविधि, अन्तरविद्यापरक अनुसंधान, पाठालोचनात्मक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान।

भाषा वैज्ञानिक/शैली वैज्ञानिक अनुसंधानः प्रकृति विज्ञान, समाज विज्ञान एवं मानविकीःपद्धतिगत अंतर एवं साम्य, विषय संकल्पना, शोध–सामग्री का प्रलेखीकरण, उद्धरण और संदर्भ, सहायक ग्रंथ सूची के निर्माण की प्रविधि, विषय वर्गीकरण, बौद्धिक नकल और शोध।

मानव मूल्य और अनुसंधानः मूल्य युक्त एवं मूल्य प्रेरित अनुसंधान, ज्ञान, शक्ति और वर्चस्व, अतीत की अतीतता और वर्तमान की प्रासंगिकता, संचार क्रांति एवं साहित्यिक अनुसंधान, शोध की वस्तुनिष्ठता एवं आत्मपरकता।

खंड –ब तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप , तुलनात्मक साहित्य के वैचारिक आधार, तुलनात्मक साहित्य के मूल्य एवं मंतव्य, तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि एवं परिप्रेक्ष्य, तुलनात्मक साहित्य के राष्ट्रीय एवं पर्राष्ट्रीय संदर्भ, तुलनात्मक साहित्य का भारतीय संदर्भ,भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं, अनुवाद और तुलनात्मक साहित्य, कथाकार प्रेमचंद और चीनी कथाकार लूश्युनःव्यावहारिक अध्ययन में तुलनात्मक साहित्य की दिशा, साहित्य रूपों का तुलनात्मक अध्ययन।

द्वितीय पत्र **HIN 102**

क्रेडिट–10

समय–3 घंटा

साहित्य का इतिहास दर्शन और विचारधारा

दोनों खंडों में से कम से कम एक प्रश्न अनिवार्य होंगे।

खंड–अ इतिहास दर्शन और साहित्य का इतिहास, साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांतः विधेयवाद (पॉजेटिसिज्म), विधाओं का इतिहास(महाकाव्य, एवं उपन्यास) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रविधिः उपलब्धि और सीमाएं, हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतस्संबंध, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डा0 रामविलास शर्मा के साहित्येतिहास लेखन की पद्धति का विशद् अध्ययन

खंड–ब इस भाग में साहित्य और विचारधारा के संबंधों का सैद्धांतिक विवेचन करने के साथ हिंदी कृति एवं कृतिकारों की सृजन–प्रक्रिया पर उसके प्रभावों का अध्ययन किया जायेगा।

सैद्धांतिकीः विचारधारा का स्वरूप, विचारधाराओं का समाजिक आधार, विचारधारा के रूपों में साहित्य का स्थान, साहित्य की स्वायत्तता और विचारधारा, साहित्य की सैद्धांतिकी के निर्माण में विचारधारा की भूमिका, विचारधारा और साहित्य रूप , साहित्यिक कृति और विचारधारा का संबंधः द्वंद्व और सामंजस्य।

व्यवहार पक्षः रामचरितमानस (तुलसीदास), राम की शक्तिपूजा (निराला), और अंधेरे में (मुक्तिबोध) का विचारधारात्मक अध्ययन।